WEST BENGAL STATE UNIVERSITY

B.A. Honours Part-II Examination, 2020

HINDI

PAPER: HINA-IV

Time Allotted: 2 Hours | Full Marks: 50

The figures in the margin indicate full marks.
Candidates should answer in their own words and adhere to the word limit as practicable.

1. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 1×10 = 10

(क) 'कुरुक्षेत्र' में कुल कितने सर्ग हैं ?

(ख) 'साकेत' के रचनाकार का नाम लिखिए।

(ग) 'कामायनी पर नई किताब' के रचनाकार का नाम लिखिए।

(घ) 'संसद से सड़क तक' का प्रकाशन वर्ष लिखिए।

(ङ) 'मौन भी अभिव्यंजना है।'– किसकी पंक्ति है ?

(च) 'इत्यलम' के कवि का नाम लिखिए।

(छ) 'परिमल' किसकी काव्यकृति है ?

(ज) किसी एक आधुनिक खंड़काव्य का नामोल्लेख कीजिए।

(झ) 'छायावाद' के लेखक का नाम बताइए।

(ञ) 'नयी कविता' का संबंध किस शहर से सर्वाधिक है ?

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए : 5×2 = 10

(क) शृंगार, रहा जो निराकार
रस कविता में उच्छवसित–धार
गाया स्वर्गीय–प्रिया–संग–
भरता प्राणों में राग–रंग,
रति रूप प्राप्त कर रहा वही,
आकाश बदल कर बनामही।

(ख) होंगे इसके सौ सहयोद्धा,
लाख–लाख जन अनुचर होंगे,
होगा कर्म–वचन का पक्का,
फोटो इसके घर–घर होंगे,
दिल ने कहा– अरे इस शिशु को,
दुनिया भर में कीर्ति मिलेगी

(ग) बाबूजी ! सच कहूँ– मेरे निगाह में
न कोई छोटा है
न कोई बड़ा है
मेरे लिए हर आदमी एक जोड़ी जूता है
जो मेरे सामने
मरम्मत के लिए खड़ा है।

(घ) रूपाश्रय तेरा तरुण गात्र
कह, वह कब तक है प्राण–पात्र
भीतर भीषण कंकाल–मात्र,
बाहर–बाहर है टीम–टाम।
ओ क्षणभंगुर भव राम–राम !

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए :– 15×2 = 30

(क) 'कुरुक्षेत्र' के षष्ठ सर्ग के आधार पर आधुनिक वैज्ञानिक उन्नति पर अपने विचार प्रकट कीजिए।

(ख) "निराला वैविध्य के कवि हैं।"–इस कथन की विवेचना कीजिए।

(ग) मुक्तिबोध के काव्य के अभिव्यंजना पक्ष पर प्रकाश डालिए।

(घ) अज्ञेय की काव्यगत प्रयोगधर्मिता पर अपने विचार प्रकट कीजिए।

N.B. : *Students have to complete submission of their Answer Scripts through E-mail / Whatsapp to their own respective colleges on the same day / date of examination within 1 hour after end of exam. University / College authorities will not be held responsible for wrong submission (at in proper address). Students are strongly advised not to submit multiple copies of the same answer script.*

———×———